an>

Title: Need to undertake rivers inter-linking project and construct dams in Phulpur Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh.

श्री केशव प्रसाद मौर्य (फूलपुर) ः मैं सरकार का ध्यान बाढ़ पीड़ित क्षेत्रों में प्रमुख लोकसभा संसदीय क्षेत्र फूलपुर (इलाहाबाद) की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ।

भारत जैसे विशाल देश में बाढ़ के पानी का उचित प्रबंधन न होने के कारण हज़ारों/लाखों लोगों को प्रतिवर्ष बेघर होना पड़ता है तथा वे अपना जीवन यायावर की भांति व्यतीत करते हैं। हाल ही में आई चेन्नई की बाढ़ इसका जीवंत उदाहरण है। इसी को ध्यान में रखते हुए मैं सरकार का ध्यान लोकसभा क्षेत्र फूलपुर (इलाहाबाद) जोकि गंगा-यमुना का तटीय क्षेत्र है और जिसमें चंबल नदी, हथनी कुंड एवं हरिद्वार से छोड़े गये पानी की वजह से बाढ़ की भयानक समस्या प्रतिवर्ष उत्पन्न हो जाती है। गंगा-यमुना के जलस्तर में वृद्धि के कारण क्षेत्र के सैंकड़ों गांव एवं शहरी इलाकों में अनेक नगर, मोहल्ले तथा लाखों बीघा उपजाऊ भूमि बाढ़ की चपेट में आ जाती है। शहरी इलाकों में प्रमुख स्थान राजापुर, सलोरी, झॅसी, करेली, अशोक नगर, रसूलाबाद, दारागंज, बघाड़ा, नीवां, तेलियरगंज, गौसनगर, एलनगंज, करेल बाग आदि प्रथम तल तक बाढ़ के पानी से डूब जाता है। वहीं तटीय इलाके जैसे-सदियाबाद, मड़ोकी, कछार, मवैया, अरैल आदि इलाकों में भी अत्यंत पानी का भराव हो जाता है। ग्रामीण क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रह पाता है। जैसे-नीवीं, पालीकरनपुर, दुबावल, जमुनीपुर, कोटवा, तिवारीपुर, लीलाकलां, लीलासुर्द, ढोकरी, कोटवां आदि क्षेत्र भी बाढ़ से अत्यंत प्रभावित हैं। इसी प्रकार से फाफामऊ, कूड़सर, शृंगवेरपुर आदि में बाढ़ से भारी समस्या उत्पन्न हो जाती है।

मैं सरकार से यह मांग करता हॅ कः-

1. माननीय श्री अटल बिजारी वाजपेयी जी की नदियों को जोड़ने की परियोजना को अतिशीघ्र लागू किया जाये।

2. अति प्रभावित क्षेत्र द्रोपदी घाट से बेलीगांव तक बांध बनाया जाये।

3. दारागंज बक्शी बांध से नीवीं, झॅसी से बमरौली, फतेहपुर से पीपरी घाट एवं छतनाग से ढोकरी घाट तक बांध का निर्माण किया जाये।